डाक पंजीयन क्रमांक - म.प्र./भोपाल/4-357/2024-26

मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967

2025 अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष
सहकारी समितियां एक बेहतर दुनिया का निर्माण करती हैं

मध्यप्रदेश सहकारी समाचार

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल का प्रकाशन

Website : www.mpscu.in
E-mail : rajyasanghbpl@yahoo.co.in

हिन्दी/पाक्षिक
प्रकाशन दिनांक 16 जून, 2025, डिस्पेच दिनांक 16 जून, 2025

| वर्ष 69 | अंक 02 | भोपाल | 16 जून, 2025 | पृष्ठ 12 | एक प्रति 7 रु. | वार्षिक शुल्क 150/- | आजीवन शुल्क 1500/- |

प्रधानमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' पहल को दी नई दिशा

अरावली को हरा-भरा बनाने का लिया संकल्प

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया और दिल्ली के भगवान महावीर वनस्थली उद्यान में एक पौधा लगाकर 'एक पेड़ मां के नाम' पहल को आगे बढ़ाते हुए इस अभियान को और व्यापक बनाने का संकल्प लिया।

श्री मोदी ने अरावली ग्रीन वॉल परियोजना के अंतर्गत अरावली पर्वत श्रृंखला में पुनः वनरोपण के महत्व का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि विश्व की सबसे प्राचीन पर्वतमालाओं में से एक अरावली पर्वतमाला गुजरात, राजस्थान, हरियाणा से लेकर दिल्ली तक फैली है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र अनेक पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है और इनके समाधान के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

श्री मोदी ने कहा कि अरावली पर्वतमाला और उसके बाहर, पारंपरिक पौधरोपण विधियों के अलावा, हम नई तकनीकों को प्रोत्साहित करेंगे, विशेष रूप से शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में जहां जगह की कमी है। श्री मोदी ने कहा कि पौधरोपण गतिविधियों को जियो-टैग किया जाएगा और मेरी लाइफ पोर्टल पर उनकी निगरानी की जाएगी।

प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं से इस आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने और पृथ्वी के हरित आवरण को बढ़ाने में योगदान देने का आग्रह भी किया।

एक्स पर अपने पोस्ट की एक श्रृंखला में प्रधानमंत्री ने कहा; "आज, विश्व पर्यावरण दिवस पर, हमने एक विशेष वृक्षारोपण अभियान के साथ एक पेड़ मां के नाम पहल को मजबूत किया। मैंने दिल्ली के भगवान महावीर वनस्थली उद्यान में एक पौधा लगाया। यह अरावली पर्वतमाला को फिर से वनीकरण करने के हमारे प्रयास- अरावली ग्रीन वॉल परियोजना का एक हिस्सा भी है।" "यह सर्वविदित है कि अरावली पर्वत श्रृंखला हमारी पृथ्वी पर सबसे पुरानी पर्वतमालाओं में से एक है, जिसमें गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली शामिल हैं। पिछले कई वर्षों में इस पर्वतमाला से संबंधित कई पर्यावरणीय चुनौतियाँ सामने आई हैं, जिन्हें कम करने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। हमारा ध्यान इस पर्वतमाला से जुड़े क्षेत्रों का कायाकल्प करने पर है। हम संबंधित स्थानीय प्रशासनों के साथ मिलकर कार्य करने जा रहे हैं और इसके अंतर्गत जल प्रणालियों में सुधार, धूल भरी आंधियों पर अंकुश लगाने, थार रेगिस्तान के पूर्व की ओर विस्तार को रोकने आदि जैसी मुद्दों पर बल देने जा रहे हैं।"

"अरावली पर्वतमाला और उसके बाहर, पारंपरिक पौधरोपण विधियों के अलावा, हम नई तकनीकों को प्रोत्साहित करेंगे, विशेष रूप से शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, जहां जगह की कमी है। पौधरोपण गतिविधियों को जियो-टैग किया जाएगा और मेरी लाइफ पोर्टल पर उनकी निगरानी की जाएगी। मैं अपने देश के युवाओं से इस आंदोलन में भाग लेने और हमारी पृथ्वी के हरित आवरण में योगदान देने का आह्वान करता हूं।"

"हर गाँव में भंडारण, हर किसान को सम्मान : सहकारिता से नई उम्मीद"

नई दिल्ली, केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली स्थित सहकारिता मंत्रालय में सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर एवं श्री मुरलीधर मोहोल के अलावा सहकारिता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, उपभोक्ता मंत्रालय, भारतीय खाद्य निगम (FCI), नाबार्ड, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC) सहित अन्य संगठनों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के "सहकार से समृद्धि" के विज़न को साकार करने की दिशा में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि भारत में आर्थिक प्रगति को मापने के दो प्रमुख मापदंड हैं—सकल घरेलू उत्पाद (GDP) और रोजगार सृजन। अन्न भंडारण योजना इन दोनों पहलुओं को सशक्त बनाने का माध्यम है, जिसका उद्देश्य प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) की आमदनी बढ़ाने के साथ-साथ ग्रामीण रोजगार के अवसरों को सृजित करना है। श्री शाह ने कृषि अवसंरचना निधि (AIF) के अंतर्गत ऋण अवधि के विस्तार से PACS की वित्तीय स्थिति में सुधार हेतु त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया।

> केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना की समीक्षा बैठक आयोजित
>
> मोदी सरकार की दूरदर्शी अन्न भंडारण योजना से PACS की आय और ग्रामीण रोजगार में वृद्धि होगी
>
> PACS को ऋण सुविधा में विस्तार किया जाये और योजना में PACS की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने अन्न भंडारण योजना में PACS की व्यापक भागीदारी पर बल देते हुए कहा कि यह जरूरी है कि PACS को इस योजना का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए ताकि PACS की वित्तीय व्यवहार्यता और सामाजिक प्रभावशीलता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने FCI, NCCF, NAFED और राज्य वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशनों को PACS को अधिक से अधिक गोदामों से जोड़ने के लिए ठोस दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि राज्यों को अपने स्तर पर अधिक से अधिक PACS को इस योजना में शामिल करना चाहिए, और राज्य स्तरीय मार्केटिंग फेडरेशनों को भी इससे जोड़ा जाना चाहिए ताकि एक संपूर्ण सहकारी आपूर्ति श्रृंखला विकसित की जा सके।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने सभी उपस्थित संगठनों से समन्वय के साथ योजना को समयबद्ध और प्रभावशाली तरीके से लागू करने का आह्वान किया ताकि यह योजना 'आत्मनिर्भर भारत' और 'सहकार से समृद्धि' के लक्ष्य की पूर्ति में मील का पत्थर सिद्ध हो।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंदूर का पौधा रोपा

इन्दौर : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व पर्यावरण दिवस पर उज्जैन में दताना एयर स्ट्रिप पर सिंदूर के पौधे का रोपण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पौधा रोपकर प्रदेशवासियों को मानव जीवन के लिए प्रकृति के संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया। इस अवसर पर उज्जैन के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मंडियों में किसानों को मूंग विक्रय का मिले उचित दाम : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से भारतीय किसान संघ मध्यप्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने की भेंट

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कृषि उपज मंडियों में पारदर्शी व्यवस्था बनाकर मूंग खरीदी की जाएगी। प्रदेश के बाहर से व्यापारियों को भी मूंग खरीदी के लिए सुविधाएं प्रदान की जाएंगी और प्रोत्साहित किया जाएगा। मंडियों में किसानों को मूंग विक्रय का उचित दाम मिल सके इसके लिए व्यापारियों को बोली लगाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में उनसे भेंट करने आए भारतीय किसान संघ मध्यप्रदेश के प्रतिनिधिमंडल से यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मूंग पर मंडी शुल्क में राहत दी जा सकती है या नहीं इसकी जांच की जायेगी। किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) और आईटीसी को मूंग नीलामी में शामिल करने के लिये प्रेरित किया जायेगा। हमारा प्रयास यह है कि मंडियों में मूंग की मॉडल दरे बढ़कर लगभग 7500 रूपये प्रति क्विंटल हो जाये। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से बाहर से आने वाले व्यापारियों को नये मंडी लायसेंस भी दिये जायेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के साथ खड़ी है। खेती और किसानी राज्य सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। प्रदेश में कृषि आधारित उद्योग लगाने के लिए कोई कसर छोड़ी नहीं जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में कपास उत्पादन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। गौ-शाला संचालित करने के लिए 20 रुपए से बढ़ाकर प्रति गाय 40 रुपए अनुदान राशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि किसान, फसल चक्र अपना कर उत्पादन में वृद्धि कर सकते हैं।

प्रतिनिधिमंडल में भारतीय किसान संघ, मध्यप्रदेश के अध्यक्ष श्री कमल सिंह आंजना, श्री चंद्रकात गौर और अन्य पदाधिकारी शामिल थे। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा उपस्थित थे।

दुग्ध उत्पादन को बढावा देने हेतु मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना प्रारंभ

सतना :मध्यप्रदेश शासन पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा दुधारू पशुओं की डेयरी इकाईयों की स्थापना हेतु तथा मिल्क रूट के ग्रामों में रोजगार के अवसर तथा दुग्ध उत्पादन को बढावा देने के लिए समस्त कृषकों के लिये डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना तथा लघु सीमान्त पशुपालकों हेतु मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना प्रारंभ की गई है। पशु चिकित्सा के उप संचालक ने बताया कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना अन्तर्गत पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर समस्त पशुपालक, दूध के एफ.पी.ओ. सदस्य, दुग्ध संघो के पशुपालक आनलाईन www.mpdah.gov.in पोर्टल पर 25 पशुओं की एक इकाई हेतु 3.5 एकड़ भूमि के आधार पर अधिकतम अनुपातन 8 इकाई ले सकते है। भारतीय नस्ल के गाय की डेयरी इकाई लागत 36 लाख तथा संकर गाय एवं भैंस इकाई के लिए 42 लाख में से सामान्य एवं पिछडा वर्ग के लिए 25 प्रतिशत अनुदान, अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति के लिए 33 प्रतिशत अनुदान तथा शेष बैंक ऋण एवं हितग्राही अंशदान रहेगा। मुख्यमंत्री डेयरी प्लस कार्यक्रम अन्तर्गत 2 मुर्रा भैंस इकाई, लघु तथा सीमान्त कृषकों हेतु मिल्क रूट के ग्रामों के पशुपालकों के लिए इकाई लागत 2.95 लाख रूपये है। जिसमें सामान्य एवं पिछडा वर्ग हेतु 50 प्रतिशत अनुदान, 50 प्रतिशत अंशदान तथा अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति के लिए 75 प्रतिशत अनुदान, 25 प्रतिशत अंशदान के आधार पर राज्य के बाहर भ्रमण कराकर, बीमा सहित पशु पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम भोपाल द्वारा प्रदान किये जायेगे। विस्तृत विवरण तथा कार्यवाही के लिए पशुपालक जिले की पशु चिकित्सा संस्था से संपर्क कर आवेदन कर सकते है।

डेयरी विकास योजना के क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तरीय समिति गठित

मुख्यमंत्री समिति के अध्यक्ष तथा विभागीय मंत्री उपाध्यक्ष होंगे

भोपाल : राज्य शासन द्वारा एमपी स्टेट कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के बीच में सहकार्यता अनुबंध के उद्देश्यों की पूर्ति और डेयरी विकास योजना के क्रियान्वयन के लिए राज्य स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी का गठन किया गया है। समिति के अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे। समिति के उपाध्यक्ष मंत्री पशुपालन एवं डेयरी विकास और सहकारिता मंत्री होंगे। समिति में सदस्य के रूप में मध्यप्रदेश शासन के मुख्य सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त, अपर मुख्य सचिव सहकारिता, अध्यक्ष एनडीडीबी, प्रमुख सचिव वित्त विभाग, प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग, प्रबंध संचालक एवं कार्यकारी निदेशकगण एनडीडीबी तथा संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग को शामिल किया गया है। समिति के सदस्य सचिव प्रबंध संचालक मध्य प्रदेश राज्य को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन होंगे।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश के दुग्ध उत्पादकों के हित में एवं सहकारी प्रणाली और सांची ब्रांड का उन्नयन करने के उद्देश्य से पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ एमपी स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड एवं सम्बद्ध दुग्ध संघ के संचालन एवं प्रबंधन के लिए सहकारिता अनुबंध पर सहमति दिए जाकर अनुबंध निष्पादन किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। इस संबंध में अप्रैल माह में सहकार्यता अनुबंध निष्पादित किया गया था। राज्य स्तरीय समिति का मुख्य कार्य डेयरी विकास योजना की प्रगति की समीक्षा एवं अनुश्रवण तथा योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए नीति निर्धारण, आवश्यक सहायता व दिशा निर्देश प्रदान करना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी विश्व दुग्ध दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व दुग्ध दिवस पर बधाई दी है। मध्यप्रदेश गौसेवा के संकल्प के साथ 'दुग्ध से समृद्धि' के पथ पर अग्रसर है। अंबेडकर कामधेनु योजना के अंतर्गत गोपालन करने वाले आर्थिक रूप से सशक्त होंगे और देश के दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश का योगदान 9 से बढ़ाकर हम 20 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य अवश्य प्राप्त करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ मध्यप्रदेश सरकार ने अनुबंध किया है, जिससे प्रदेश के ग्रामों में दुग्ध सहकारी समितियां गठित कर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि की जाएगी। सांची ब्रांड को लोकप्रिय बनाया जा रहा है। गौशालाओं और गौ-पालकों को पूरा प्रोत्साहन दिया जा रहा है। प्रदेश में गाय के दूध से निर्मित उत्पाद और औषधियां अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास है। मध्यप्रदेश देश की डेयरी केपिटल बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गौ-पालकों को विश्व दुग्ध उत्पादन से जुडे किसानों, पशुपालकों को विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दी हैं।

केंद्र सरकार के निर्णय से प्रदेश के किसानों को होगा लाभ : मुख्यमंत्री

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्र सरकार द्वारा 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में की गई वृद्धि के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने विपणन सीजन 2025-26 के लिए 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि एमएसपी में रामतिल में 820 और रागी में 596 के साथ ही कपास में 589 रुपए प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। मध्यप्रदेश में धान और सोयाबीन सहित इन सभी फसलों का उत्पादन व्यापक है। इस नाते मध्यप्रदेश के किसानों के कल्याण के लिए यह महत्वपूर्ण निर्णय है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की है कि उत्पादों के न्यूनतम समर्थन मूल्यों में वृद्धि का लाभ मध्यप्रदेश के किसान भाइयों को भी प्राप्त होगा।

कृषि आधारित उद्योग लगाने पर मिलेगी 50 प्रतिशत सब्सिडी : मुख्यमंत्री

80 करोड़ रुपये से अधिक के 135 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया

मुख्यमंत्री सुगम बस योजना की होगी शुरूआत ● मुख्यमंत्री ने की गाडरवाड़ा में गौशाला निर्माण की घोषणा

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उनका और राज्य सरकार का गाडरवारा के नागरिकों के साथ विकास और विश्वास का रिश्ता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के किसानों को कृषि आधारित उद्योग लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि उद्योग समागम मेला भी लगाए जा रहे हैं। कृषि आधारित उद्योग लगाने वाले किसानों को 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जाएगी। कृषि उद्योग से जुड़े रोजगार परक कारखाने बनायेंगे, जहां काम करने वाले को 5 हजार रुपये महिने भी दिये जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गाडरवाड़ा में गौशाला निर्माण किए जाने और प्रदेशवासियों को सुगम परिवहन सेवा भी उपलब्ध करवाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नरसिंहपुर जिले के गाडरवाड़ा में 80 करोड़ रूपये से अधिक के निर्माण और विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा लोकार्पण करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की नई ऊंचाईयों को छू रहा है। विश्व में देश का मान-सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के सेवा एवं सुशासन के 11 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। विकास की नई उपलब्धियां सभी के सामने हैं। उनके कार्यकाल में तीन तलाक का कानून पास हुआ, जिसके क्रियान्वयन में कहीं भी कोई विरोध नहीं हुआ। धारा 370 हटाने पर देश के अंदर एक आनंद का माहौल रहा। पहलगांव की घटना में पूरा देश एकजुट हुआ और पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अयोध्या में भगवान श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कर देश में सनातन संस्कृति को नई ऊंचाई प्रदान की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में गरीब, युवा, किसान और महिला सशक्तिकरण की दिशा में तेजी से कार्य हो रहे हैं और इसका समाज में व्यापक असर भी दिख रहा है।

नई पीढ़ी को शिक्षित करने की मुहिम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नव प्रवेशित बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत कर उन्हें पुस्तकें प्रदान की। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को बेहतर शिक्षा देने का प्रबंध किया जा रहा है, ताकि बच्चे देश के लोकतंत्र, सभ्यता व संस्कृति को जान सकें और अपने उज्ज्वल भविष्य के सपने को साकार कर सकें।

महिला सशक्तिकरण प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नारी सशक्तिकरण की दिशा में भी प्रदेश सरकार कई कल्याणकारी कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना की राशि 5 साल में तीन हजार रुपये कर दी जायेगी। पहले साल में एक बार रक्षाबंधन का त्यौहार आता था, लेकिन अब लाड़ली बहना योजना की राशि आने से हर महीने बहनों के लिए त्यौहार जैसा माहौल रहता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परिसीमन के बाद लोकसभा व विधानसभा चुनाव में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रिमोट के माध्यम से 80 करोड़ 46 लाख 30 हजार रुपये के 135 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। उन्होंने 56 करोड़ 58 लाख 6 हजार रुपये के 67 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और 23 करोड़ 88 लाख 24 हजार रुपये के 68 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विकास के कार्यों में कोई कोर कसर नहीं रखी जायेगी। जिले के विकासके लिए मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह द्वारा जो प्रस्ताव दिए गए हैं, उन्हें पूर्ण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वृहद स्तर पर सोलर पॉवर कनेक्शन प्रदाय किए जाएंगे, जिससे किसानों को बिजली की समस्या से मुक्ति मिलेगी।

मुख्यमंत्री सुगम बस योजना की प्रदेश में होगी शुरूआत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यात्रियों की सुविधा के दृष्टिगत शीघ्र ही पूरे प्रदेश में "मुख्यमंत्री सुगम बस योजना" प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य परिवहन निगम पुनः पूरे प्रदेश में बसों का संचालन करेगा। उन्होंने कहा कि सांईखेड़ा में 132 केव्ही का विद्युत सबस्टेशन बनेगा। उन्होंने 60 करोड़ रुपये की लागत से चीचली- सालीचौका 20 किमी सड़क बनाने की घोषणा की और 27 करोड़ रुपये की लागत से अर्जुनगांव से गाडरवारा 17.50 किमी की सड़क बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कांसे, पीतल का उपयोग करें इससे चीचली सहित हमारे आसपास के भाई-बहनों को काम मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस बार गुरू पूर्णिमा एवं कृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई जायेगी। दशहरे में रावण का दहन तो होगा ही, साथ ही शस्त्र-पूजन भी किया जायेगा। जल संरक्षण की दिशा में जल गंगा संवर्धन अभियान और नदी जोड़ो परियोजना के काम तेजी से चल रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का किया सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कक्षा 10 वीं व 12 वीं में प्रदेश की प्रावीण्य सूची में शामिल होने वाले विद्यार्थियों और शैक्षणिक कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों का भी प्रतिमात्मक रूप से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गाडरवारा को डेढ़ साल में 350 करोड़ रुपये की सौगात दी है और इस क्षेत्र को विकास की राह पर पहुंचाया है। मुख्यमंत्री को 2 करोड़ रुपये की लागत से गाडरवारा तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए भी धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं अन्य अतिथियों ने शिक्षा विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विद्यार्थियों से संवाद किया। इस अवसर पर सांसद चौधरी दर्शन सिंह, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल, सोहागपुर विधायक श्री विजय पाल सिंह और पूर्व राज्यसभा सांसद श्री कैलाश सोनी मंचासीन थे।

पीडीएस से राशन सामग्री लेने वाले हितग्राही अपने फोन से कर सकते हैं ई-केवायसी : खाद्य मंत्री

भोपाल :खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने जानकारी दी है कि पीडीएस से राशन सामग्री लेने वाले हितग्राही को ई-केवायसी कराने के लिये कहीं भी जाने की आवश्यकता नहीं है। वह अपने एंड्रायड फोन पर "मेरा ई-केवायसी'' एप को डाउनलोड कर अपने फेस वेरीफिकेशन के माध्यम से ई-केवायसी कर सकता है। वृद्ध हितग्राही एवं बच्चों की ई-केवायसी भी इस एप से कर सकते हैं।

अब तक 8 लाख से अधिक हितग्राहियों ने किया इस सुविधा का उपयोग

मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि परिवार के किसी एक सदस्य के मोबाइल से ही सभी सदस्यों की फेस ई-केवायसी की जा सकती है। साथ ही मध्यप्रदेश से बाहर गये हितग्राही किसी भी प्रदेश में इस एप पर अपना ई-केवायसी कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 15 अप्रैल, 2025 से अब तक 8 लाख से अधिक हितग्राहियों ने इस सुविधा का लाभ लेकर घर बैठे अपनी ई-केवायसी करायी है तथा बिना किसी समस्या के राशन प्राप्त कर रहे हैं।

श्री राजपूत ने आग्रह किया कि सरकार राशन प्राप्त करने वाले ऐसे सभी हितग्राही, जिन्होंने अब तक अपनी ई-केवायसी नहीं करायी है, वे 15 जून तक घर बैठे अपने मोबाइल फोन पर ही अपना ई-केवायसी कर लें, जिससे आगामी माहों में आपको बिना किसी बाधा के राशन प्राप्त हो सके।

मेरा ई-केवायसी है- एक दम आसान

- अपने मोबाइल फोन पर प्लेस्टोर से मेरा ई-केवायसी एप को https://tinyurl.com/294xckzm लिंक से डाउनलोड करें
- इसके पश्चात Link: https://play.google.com/store/apps/details?id=in.gov.uidai.facerd से फेस आरडी डाउनलोड करें।
- अब एप पर दाहिनी ओर ऊपर तीन छोटे बिन्दु दिखाई देंगे उस पर क्लिक करके हितग्राही अपनी सुविधा अनुसार भाषा का चयन करें।
- इसके पश्चात राज्य चयन के विकल्प में मध्यप्रदेश को चुने।
- राज्य का चयन करने के उपरांत एप पर लोकेशन वेरीफाई विकल्प पर क्लिक करें।
- इसके पश्चात जिस हितग्राही का ई-केवायसी करना है, उसका आधार कार्ड देखकर सही आधार नम्बर मोबाइल एप में दिए गए स्थान पर दर्ज करें।
- इसके पश्चात ओटीपी जनरेट करने के विकल्प पर क्लिक करें।
- हितग्राही के आधार नम्बर से लिंक मोबाईल फोन पर एक 6 अंको का ओटीपी प्राप्त होगा, जिसे एप पर दर्ज करें।
- ओटीपी दर्ज करने के पश्चात उसके नीचे दिखाया गया केप्चा कोड दर्ज करें।
- इसके बाद जमा करें विकल्प पर क्लिक करें।
- इसके बाद लाभार्थी का नाम, आधार नम्बर के अंतिम 04 अंक आदि विवरण मोबाईल स्क्रीन पर दिखाई देगा, जिसके नीचे फेस ई-केवायसी विकल्प दिखाई देगा। इस पर क्लिक करने पर हितग्राही की ईकेवायसी करने संबंधी सहमति की घोषणा दिखाई देगी, जिसमें 'स्वीकृत' (Accept) विकल्प पर क्लिक करना होगा इसके बाद मोबाइल फोन का फ्रन्ट कैमरा (सैल्फी मोड) चालू होगा।
- जिस हितग्राही का ई-केवायसी किया जाना है, उसका चेहरा मोबाइल कैमरा के सामने करें।
- इस बात का ध्यान रखा जावे कि मोबाइल फोन कैमरा में चेहरा जिस गोले के अंदर दिखाया जा रहा है, उसका रंग हरा हो जाये। इसके बाद हितग्राही को अपनी पलकों को कैमरे के सामने दो बार झपकाना होगा।
- ई-केवायसी सफल होने पर मोबाइल फोन की स्क्रीन पर ई-केवायसी सफल का संदेश दिखेगा।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, धार (म0प्र0)
स्थिति विवरण पत्रक वर्ष 2024—2025

जमा पक्ष

क्र.	गत वर्ष का बकाया	विवरण	वर्षान्त पर बकाया
1	3	2	4
	1000000000.00	अंशपूजी	1000000000.00
		अधिकृत अंशपूँजी	
	1000000.00	अ वर्ग रुपये 1000 प्रति अंश	1000000.00
		ब वर्ग रुपये 1000 प्रति अंश	
		स वर्ग रुपये 100 प्रति अंश	
		द वर्ग रुपये 100 प्रति अंश	
		अभिदत्त अंशपूँजी	
	661079920.00	सहकारी समितियो के 743442	743442800.00
	53342.00	नाममात्र सदस्य अंश	59792.00
	2052545.00	अन्य अंश आईडीपी	302545.00
		उक्त में से धारित	
1	182088720.00	अंशपूजी शासन से	182088720.00
2	2052545.00	अंशपूजी आय सी डी पी	302545.00
3	661079920.00	अंशपूजी सहकारी समिति	743442800.00
4	53342.00	अंशपूजी नाम नात्र सदस्य	59792.00
	845274527.00	**योग**	925893857.00
		कोष एवं अन्य निधिया	
1	112134115.24	रक्षित कोष सहकारी संस्था	117575026.47
2	785300.00	रक्षित कोष शासन से	0.00
3	871898.70	विशेष डुबन्त ऋण एव संदिग्ध ऋण पूर्ति कोष	0.00
4	85888965.00	कृषि साख स्थायित्व निधि कोष	90757644.00
5	50589535.20	ऋण असंतुलन कोष	53889535.20
6	49012135.70	भवन कोष	50012135.70
7	15116271.40	कम्प्युटर कोष	21116271.40
8	34489245.00	अंश विमोचन निधि	37491951.00
9	5101019.00	प्रशिक्षण निधि	5286328.60
10	14703294.00	सहकारी विकास निधि	15303835.00
11	8193.63	सहकारी भण्डार रख रखाव निधि कोष	8193.63
12	8200000.00	फर्नीचर फिक्चर निधि	8200000.00
13	865000.00	चेरिटी कोष	865000.00
14	5501284.28	साज सज्जा कोष	5501284.28
15	10598025.47	वाहन कोष	11098025.47
16	21968.00	लाभांश पूर्ति कोष	28305.00
17	5147.60	शिक्षा कोष	0.00

नामे पक्ष

क्र.	गत वर्ष का बकाया	विवरण	वर्षान्त पर बकाया
1	2	3	4
		रोकड	
1	433965047.00	नगदी सिल्लक	891519351.00
		करण्ट खाता राज्य सहकारी बैंक	
1	0.00	करण्ट खाता अपेक्स बैंक इन्दौर	160630906.00
2	170870.68	करण्ट खाता अपेक्स बैंक शाखा भोपाल	170870.68
3	5089944.20	करण्ट खाता अपेक्स बैंक भोपाल	29300027.31
	5260814.88	**योग**	190101803.99
		करण्ट खाता वाणिज्यिक बैंक	
1	23916812.36	करण्ट खाता भारतीय स्टेट बैंक	135778032.56
2	4162806.36	करण्ट खाता भारतीय स्टेट बैंक शाखा रघुनाथपुरा	610598.57
3	5081774.01	करण्ट खाता अन्य बैंक (स्टेट बैंक में शाखाओं के खाते)	5967877.61
4	521952.05	करण्ट खाता भारतीय स्टेट बैंक सीएसजीएल	22855829.84
5	11886044.89	करण्ट खाता बैंक ऑफ इंडिया	117336826.29
6	44850028.78	करण्ट खाता बैंक ऑफ महाराष्ट्र	82005455.78
7	99782.00	करण्ट खाता बैंक आफ बडौदा	99782.00
8	84390538.14	करण्ट खाता सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया	108005587.28
9	31141568.27	करण्ट खाता पंजाब नेशनल बैंक	177257398.15
10	178536055.62	करण्ट खाता आईडीबीआई बैंक	200324237.73
11	33709436.76	करण्ट खाता आईडीबीआई बैंक सीटीएस क्लेयरिंग हेतु	11728533.94
12	0.00	करण्ट खाता आईडीबीआई जेम पुल खाता	300000.00
	418296799.24	**योग**	862270159.75
		प्रायवेट बैंक	
1	11603547.04	करण्ट खाता एक्सिस बैंक	35377672.16
2	64327631.62	करण्ट खाता आईसीआईसीआई बैंक	593368989.39
3	32597872.48	करण्ट खाता आईसीआईसीआई बैंक आयएमपीएस हेतु	25892521.93
4	19338709.42	करण्ट खाता आईसीआईसीआई बैंक एटीएम हेतु	26095323.78
5	0.00	करण्ट खाता आईसीआईसीआई बैंक फास्ट टैग वॉलेट	5496.00
6	25700983.32	करण्ट खाता एचडीएफ सी बैंक	293472255.22
7	0.00	करण्ट खाता यस बैंक सीटीएस क्लेयरिंग हेतु	29074111.71
8	174400.00	क्लेम फार लोरो	75300.00
	153743143.88	**योग**	1003361670.19
	577300758.00	बैंक खाता कुल योग	2055733633.93
		विनियोग	
		सहकारी प्रतिभुति में	
1	1800583010.00	शासकीय प्रतिभुति एवं बाण्ड	1990148010.00
2	249509200.00	ट्रेजरी बिल प्रतिभुति	698505100.00
3	0.00	कॉल मनी	400000000.00
	2050092210.00	**योग**	3088653110.00
		सावधी जमा राज्य सहकारी एवं वाणिज्यिक बैंक में	
1	2340582008.00	सावधि अमानत विथ अपेक्स बैंक	2818294028.00

क्र.	गत वर्ष का बकाया	विवरण	वर्षान्त पर बकाया
1	3	2	4
18	1186451.00	ग्रेज्युटी कर्मचारी कोष	1186451.00
19	5198748.02	कर्मचारी सामान्य निधि	6286454.02
20	111204.00	जोखिम कोष शासन से	111204.00
21	9785145.00	वैद्यनाथन पुर्नपुंजीकरण सहायता राशि	9785145.00
22	47614947.43	सम्पति पूनर्मुल्यांकन कोष	47614947.43
23	6337.00	लांभाश सहकारी समिति प्रावधान	0.00
24	3000000.00	एक्सग्रेसिया कर्मचारी प्रावधान	3000000.00
25	6000000.00	तकनीकी ग्राह्य फण्ड्	0.00
26	1969779.00	नाबार्ड से प्राप्त अनुदान	3369579.00
27	23051794.12	संचित लाभ	23057502.22
	491815803.79	**योग**	511544818.42
		अनिवार्य प्रावधान	
1	681510220.00	संदिग्ध एवं डुबन्त ऋण कोष एनपीए के विरुद्ध	707722220.00
2	0.00	संदिग्ध एवं डुबन्त ऋण कोष आयकर धारा 36(1)(अपपं)	125000000.00
2	28827000.00	मानक अस्तियों हेतु प्रावधान	28827000.00
3	58286223.00	संस्पेंस राशि हेतु प्रावधान	58286223.00
4	23109000.00	अन्य अस्तियो हेतु प्रावधान	23109000.00
5	61951777.00	गबन के विरुद्ध प्रावधान	61951777.00
6	30330.53	विनियोग अवमूल्यन कोष	0.00
7	16214284.20	कालातीत ब्याज प्रावधान	254534860.69
	869928834.73	**योग**	1259431080.69
	1361744638.52	निधियो एवं प्रावधान योग	1770975899.11
		अमानते	
		मुद्दती अमानत	
1	605090365.35	सावधि अमानत सहकारी समितियॉं	467862381.60
2	3980648182.33	सावधि अमानत व्यक्तिगत	4246277651.38
3	820454939.17	सावधि अमानत अन्य संस्थाऐ	1199435158.78
4	8586779.99	आवर्तक अमानत व्यक्तिगत	8651241.99
	5414780266.84	**योग**	5922226433.75
		बचत अमानत	
1	432754616.36	बचत अमानत सहकारी संस्था	543912634.55
2	2987384796.86	बचत अमानत व्यक्तिगत	2647341950.81
3	403633415.92	बचत अमानत अन्य संस्थाऐ	473771892.46
	3823772829.14	**योग**	3665026477.82
		करण्ट अमानत	
1	21668408.26	करण्ट अमानत सहकारी समिति	16963183.17
2	19319458.17	करण्ट अमानत केश क्रेडिट समिति	9256922.33
3	17365914.90	करण्ट अमानत व्यक्तिगत	16444151.84
4	25013553.02	करण्ट अमानत अन्य संस्था	27162261.66

क्र.	गत वर्ष का बकाया	विवरण	वर्षान्त पर बकाया
1	2	3	4
2	43534482.00	रिजर्व फण्ड डिपाजिट विथ अपेक्स बेंक	46690732.00
3	150482055.00	सावधि अमानत बैंक ऑफ इंडिया/महाराष्ट्र	10468993.00
4	8754535.00	सावधि अमानत विथ नोटी फाइड बैंक सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया	8754535.00
5	300385535.00	सावधि अमानत विथ आयडीबीआय बैंक	150193932.00
	2843738615.00	**योग**	3034402220.00
		सावधी जमा प्रायवेट बैक में	
1	435321439.00	सावधि अमानत विथ आय सी आय सी आय बैंक	500246576.00
2	165107015.00	सावधि अमानत अन्य प्रायवेट बैंक	175215754.00
	600428454.00	**योग**	675462330.00
		अंश में	
1	391700000.00	अंश क्रय अपेक्स बैंक	447200000.00
2	500000.00	अंश अन्य सहकारी संस्थाए	0.00
	392200000.00	**योग**	447200000.00
	5886459279.00	**कुल योग विनियोग**	7245717660.00
		समाशोधन गृह एवं शाखा	
1	0.00	समाशोधन गृह समायोजन खाता	0.00
2	0.00	शाखा/मुख्यालय खाता	0.00
	0.00	**योग**	0.00
		ऋण	
		अल्पवधि कृषि ऋण	
1	30414043.87	क्रेड़िट कार्ड सामान्य 1	16455386.29
2	10637691.52	क्रेड़िट कार्ड सामान्य 2	9369584.52
3	64549822.34	क्रेड़िट कार्ड अल्पावधि ट्रायबल 1	66051232.34
4	8633971.26	क्रेड़िट कार्ड अल्पावधि ट्रायबल 2	1.00
5	22399295.40	ऋण अल्पावधि तिलहन क्रेडिट कार्ड 1	18210964.54
6	25609730.04	ऋण अल्पावधि तिलहन क्रेडिट कार्ड 2	25609730.04
7	31118165.37	ऋण अल्पावधि क्रेडिट कार्ड ट्रायबल तिलहन 1	31117865.37
8	242056.00	ऋण अल्पावधि क्रेडिट कार्ड ट्रायबल तिलहन 2	6.00
9	9054624697.73	अल्पावधि ऋण डी एम आर सामान्य	8058184396.47
10	2164709515.73	अल्पावधि ऋण डी एम आर तिलहन	1784339939.18
11	898823351.97	अल्पावधि ऋण डी एम आर आदिवासी	474121643.02
12	0.00	अल्पावधि ऋण अतिरिक्त साख सीमा	14150978.12
	12311762341.23	**योग**	10497611726.89
		अल्पवधि अकृषि ऋण	
1	9612464.16	ऋण फिशरमैन क्रेडिट कार्ड	8804078.16
2	108641.00	ऋण अल्पावधि अकृषि	108641.00
3	65085.00	ऋण अल्पावधि खाघान्न गृहणी	209639.00
4	185136.60	ऋण अल्पावधि आभूषण तारण ऋण सामान्य	185136.60
5	255448.10	आभूषण तारण ऋण हरिजन + आदिवासी	255448.10
8	31424588.00	सावधि अमानत तारण ऋण	54042671.00
9	6620.00	एन एस सी तारण ऋण	6620.00
10	2167176.00	वेयर हाउस रसीद पर तारण ऋण	2167176.00
11	106253525.02	अधिविकर्ष ऋण मुद्ती अमानत	127119243.54
12	21552931.13	अधिविकर्ष ऋण कर्मचारी	31361974.60
13	0.00	अधिविकर्ष ऋण अन्य संस्था कर्मचारी	1100231.00
14	1477.00	अग्रिम कर्मचारी	11477.00

क्र.	गत वर्ष का बकाया	विवरण	वर्षान्त पर बकाया
1	3	2	4
	83367334.35	योग	69826519.00
		अन्य अमानत	
1	59776833.87	रक्षित कोष सहकारी संस्थाए	63932723.87
2	43431825.09	विशेष डुबन्त ऋण पूर्ति कोष	47794699.09
3	6283987.77	अनिवार्य अमानत सहकारी समितिया	7376544.77
4	12806608.06	रिस्क फण्ड (जोखिम कोष)	14829417.06
5	1327475.85	अनिवार्य अमानत व्यक्तिगत	1429002.85
6	725480.07	सुरक्षा डिपाजिट कर्मचारी	779322.07
	124352210.71	**योग**	136141709.71
	9446272641.04	**योग अमानत**	9793221140.28
		ग्रहित ऋण	
1	6045700000.00	अल्पावधि ऋण नार्मल	6431400000.00
2	340800000.00	अल्पावधि ऋण ट्रायबल	316300000.00
3	1229100000.00	अल्पावधि ऋण एनओडीपी	1359000000.00
4	0.00	केश क्रेडिट फर्टिलाईजर	-150830.21
5	1688200.00	मध्यम अवधि ऋण डेयरी फायनेंस	557000.00
6	12291879.25	अधिविकर्ष ऋण अपैक्स बैंक	153416669.52
7	2000000.00	आईसीडीपी से भवन निर्माण ऋण	250000.00
8	0.00	नाबार्ड से मुद्दती अमानत के विरुद्ध तारण ऋण	367300000.00
9	536600.00	मध्यम अवधि ऋण एग्रीकल्चर	536600.00
10	0.00	अधिविकर्ष ऋण नेफट	0.00
	7632116679.25	**योग**	8628609439.31
1	1272047.97	मुख्यालय खाता	255078.05
	1272047.97	**योग**	255078.05
		देनदारियॉं	
1	2233215.31	लायबिलिटीज पेयबल	2081205.73
2	12501290.08	अन्य देनदारियॉं खाता	12389516.76
3	4905550.00	अनुदान अग्रिम समस्त प्रकार	4905550.00
4	17821718.00	चंदा देना बाकी जिला एवं राज्य संघ	23173418.00
5	6369535.67	बिल्स एवं डी.डी. पेयबल	3172376.42
6	6181437.87	ब्याज देना बाकि 3 प्रति. सहकारी संस्था को	6181437.87
7	2974593.00	प्राविडेण्ड फण्ड की रकम देना बाकि	2355015.00
8	627676.96	समूह बीमा योजना कर्मचारी	702736.96
9	550928.00	अर्नेस्ट मनी खाता	550928.00
10	2332797.00	आडिट फिस देना बाकी	1638937.00
11	200509070.82	देय ब्याज (ब्याज देना बाकी)	242641362.11
12	1812371.25	स्टेल चेक्स एवं ड्राफ्ट खाता	339674.00
13	5497.00	क्रिस योजना की रकम देना बाकी	162522.00
14	500000.00	केडर फन्ड सरप्लस खाता	500000.00

क्र.	गत वर्ष का बकाया	विवरण	वर्षान्त पर बकाया
1	2	3	4
	171633092.01	**योग**	225372336.00
		मध्यवधि कृषि ऋण	
1	19115366.36	मध्यमअवधि 3 वर्षिय परिवर्तित ऋण	2359002.00
2	0.00	मध्यमअवधि ट्रेक्टर ऋण	1801405.00
3	512101.00	मध्यमअवधि पशुपालन ऋण	831243.00
4	257844.00	मध्यमअवधि आत्मनिर्भर भारत	0.00
5	11055952.00	मध्यमअवधि डेहरी ऋण	10903060.00
6	1092537.00	मध्यमअवधि पॉली हाउस	1092537.00
	32033800.36	**योग**	16987247.00
		मध्यमवधि अकृषि ऋण	
1	468936.00	मध्यमअवधि अन्त्यव्यवसायी	468936.00
2	9932376.80	मध्यमअवधि व्यावसायिक यातायात ऋण	9932376.80
3	72626.26	मध्यमअवधि वाहन ऋण कर्मचारी	198020.26
4	7914230.87	मध्यमअवधि उपभोक्ता ऋण व्यक्तिगत	48604355.87
5	12554.00	मध्यमअवधि ऋण कम्प्युटर	12554.00
6	393957.00	मध्यमअवधि व्यक्तिगत ओद्योगिक ईकाई	393957.00
7	24280082.00	मध्यमअवधि भोज सोया संयत्र	24280082.00
8	49150.00	मध्यमअवधि ईईसी गोदाम ऋण	49150.00
9	132444.39	मध्यमअवधि परिसमापक ऋण	132444.39
10	333737.00	मध्यमअवधि हायपोथिकेशन ऋण	333737.00
11	4645.00	मध्यमअवधि ऋण पी एम मुद्रा योजना	0.00
12	897338.00	मध्यमअवधि मार्टगेज ऋण	928927.00
13	1782234.00	कर्मचारी व्यक्तिगत ऋण	1642964.00
14	0.00	व्यक्तिगत ऋण अन्य संस्था कर्मचारी	1367466.00
15	11843258.56	दीर्घावधि आवास ऋण	18871557.56
16	11973462.00	दीर्घावधि आवास ऋण कर्मचारी	11898886.00
17	2813451.00	दीर्घावधि कार लोन कर्मचारी	2882450.00
18	0.00	दीर्घावधि कार लोन व्यक्तिगत	554008.00
	72904482.88	**योग**	122551871.88
		केश क्रेडिट लिमिट	
1	40045170.53	केश क्रेडिट फर्टिलाईजर रासायनिक खाद	32697693.58
2	16399.04	क्लिन केश उपभोक्ता भण्डार	0.00
3	0.00	क्लिन केश समर्थन मूल्य	0.00
4	236.00	क्लिन केश समर्थन मूल्य मार्केटिंग	236.00
5	34891.00	क्लिन केश क्रेडिट बुनकर संस्था	34891.00
6	7108205.13	क्लिन केश क्रेडिट धार थोक उपभोक्ता भण्डार	7108205.13
7	1247276.40	क्लिन केश क्रेडिट आघोगिक ईकाई	1247276.40
8	17102089.00	क्लिन केश क्रेडिट व्यक्तिगत लिमिट	17102089.00
9	6563600.21	क्लिन केश क्रेडिट मार्केटिंग लिमिट	6563600.21
10	6452510.85	क्लिन केश क्रेडिट विपणन संस्था	5823090.58
11	0.00	एग्रीकल्चर क्रेडिट ऋण	0.00
	78570378.16	**योग**	70577081.90
	12666904094.64	**योग समस्त ऋण**	10933100263.67
		ब्याज राशि लेना बाकी	
1	8129322.14	ब्याज लेना बाकी केन्द्र शासन से	8129322.14
2	13942180.52	ब्याज लेना बाकी राज्य शासन से	13942180.52

क्र.	गत वर्ष का बकाया	विवरण	वर्षान्त पर बकाया
1	3	2	4
15	11076190.73	आयकर देना बाकि (टी.डी.एस.)	13382249.69
16	892497.00	बचत बैंक अमानत ग्यारंटी बीमा योजना	892497.00
17	28.25	जी.एस.टी. की रकम	28.00
18	82563.51	ट्रिकल फीड जमा राशि	0.00
19	24.00	एनआयए प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा प्रीमियम देना बाकि	24.00
20	0.00	एनपीसीआई से प्राप्त राशि रिटर्न	50000.00
21	0.00	एसीएच से प्राप्त राशि रिटर्न	40292.00
22	221166.00	वेतन से कटौत्रा की गई कर्मचारी संघ को देय राशि	317066.00
23	178300.00	वेतन से कटौत्रा की गई कर्मचारी साख समिति को देय राशि	0.00
24	803000.00	वेतन से कटौत्रा की गई कर्मचारी साख समिति ऋण की किश्त की देय राशि	0.00
25	252926.50	नाबार्ड से वित्तीय साक्षरता की प्राप्त राशि	252926.50
26	12004.19	बेच संस्पेंस खाता	78715.64
27	1021700.00	सब्सीडी खाता	1021700.00
28	8473703.34	आय एन सी ए	56412627.08
29	230034.18	नेफ्ट आर टी जी एस पार्किंग खाता	46454.84
30	4744377.00	ड्राफ्ट खाता कोर ब्रांच	14945818.74
31	-0.00	बेलेन्सिग खाता	43896.07
32	307618765.35	अन रिकव्हर्ड ब्याज की रकम	0.00
33	13434652.65	जमाशिक्षा जागरुकता फण्ड की रकम देना बाकी	28733807.61
34	0.00	वृत्तिकर की राशि	32958.00
35	0.00	अंश की रकम देना बाकी	2220.00
36	0.00	सिस्टम संस्पेंस	31461001.91
	608367613.66	**योग**	448508962.93
	15013528.10	संचित लाभ–हानि गत स्थिति विवरण पत्रक का लाभ कम किया जो अंकेक्षण वर्ष की हानि कम की गयी, अंकेक्षण वर्ष में वितरित किया गया लाभ जो हानि पत्रको से आया।	16430233.69
	19910061675.54	**कुल योग**	21583894610.37

क्र.	गत वर्ष का बकाया	विवरण	वर्षान्त पर बकाया
1	2	3	4
1	16239543.43	ब्याज लेना बाकी सहकारी संस्थाओ से	16715981.15
2	28837249.00	शासकीय प्रतिभूति पर ब्याज की रकम लेना बाकी	33064356.77
	67148295.09	**योग**	71851840.58
		स्थायी सम्पति	
1	2778837.00	जीप कार वाहन खाता	3361610.00
2	54874111.00	बैंक भूमि	54874111.00
3	26213645.00	बैंक भवन	24962939.00
4	4018721.00	कम्प्युटर खाता	14235977.93
5	1559193.72	फर्नीचर फिक्चर खाता	2143857.07
6	23890265.28	डेड स्टाक नान पेरिशिएबल खाता	21858981.78
7	12859164.50	डेड स्टाक फर्नीचर फिक्चर खाता तकनीकि	15378823.76
	126193937.50	**योग**	136816300.54
		लेनदारियॉ	
1	1001263.62	ऋण राहत मूल की रकम केन्द्र शासन से लेना बाकि	1001263.62
2	36174.48	ऋण राहत मूल की रकम राज्य शासन से लेना बाकि	36174.48
3	71751778.05	संस्पेस खाता	60128060.95
4	200000.00	अग्रिम खाता	0.00
5	15539466.93	अन्य लेनदारियॉं	5167447.74
6	0.00	केडरफण्ड लेना बाकी (अपेक्स बैंक भोपाल 50 प्रतिशत)	0.00
7	349226.00	जवाहर रोजगार योजना	349226.00
8	1200197.05	स्कंध, प्रपत्र, पंजिया बैंक	1127571.55
9	1610268.68	स्कंध, प्रपत्र, पंजिया सहकारी संस्थाऍं	1686674.76
10	0.00	सक्षमता विकास की रकम लेना बाकी	0.00
11	1868123.00	शासकीय प्रतिभूति पर भुगतान की प्रीमियम राशि का विभक्तिकरण	3654251.00
12	9514701.00	अन्य लेनदारीया गबन की राशि	58627132.00
13	0.00	एलपीजी सब्सीडी	3335522.00
14	0.00	यु आय डी जमा	16619833.74
15	13432429.65	शिक्षा जागृति की रकम	28733807.61
16	136160.28	बेलेन्सिग खाता	0.00
17	298041.87	जेआरवाय योजनान्तर्गत खाद्यान्न राशि	298041.87
18	3871.20	ट्रिकल फीड में नामें राशि	1069711.19
19	1746270.84	सेन्ट्रल जीएसटी	2832502.87
20	1746270.85	राज्य जीएसटी	2532270.29
21	3997649.08	आय जीएसटी	5185256.92
22	1343848.15	एटीएम शुल्क आय सी आय सी आय से लेना बाकी	1732164.11
23	481646.04	आय एम पी एस से लेना बाकी	32830604.25
24	10221508.83	नेफ्ट सस्पेन्स खाता	18725497.72
25	2318500.00	एटीएम क्लेरिंग संस्पेन्स	2790800.00
26	-567.50	पॉस रिफन्ड एन पी सी आय	-8118.56
27	0.00	एच सी एच डेबिट	15825.00
28	-12.00	बैंकर्स समाशोधन गृह	0.00
29	12672000.00	अग्रिम आयकर की रकम लेना बाकी	80000.00
30	621448.21	एटीएम पॉस क्लेरिंग संस्पेंस	604039.54
	152090264.31	**योग**	249155560.65
	19910061675.54	**कुल योग**	21583894610.37

हस्ता/–
(विकास लाड)
प्रभारी प्रबंधक लेखा

हस्ता/–
(के.के.रायकवार)
मुख्य कार्यपालन अधिकारी

हस्ता/–
(सुश्री वर्षा श्रीवास)
प्रशासक एवं उपायुक्त

हस्ता/–
वास्ते मे. बी श्रॉफ एंड कम्पनी,
(सनदी लेखाकार)
(फर्म पंजीयन क्रमांक : 006514w)
(CA रोहन शर्मा)
(भागीदार)
सदस्यता क्र. – 429352

स्थान : इंदौर
दिनांकः
UDIN:

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, धार (म0प्र0)

लाभ हानि पत्रक वर्ष 2024–2025

क्र.	गत वर्ष 31.03.2024 की स्थिति पर व्यय	व्यय मद	31.03.2025 पर व्यय
1	2	3	4
		ब्याज व्यय	
1	2404696.00	ब्याज दिया कृषि साख स्थायित्व निधि	2616650.00
2	506266639.59	ब्याज दिया उधार ऋण	557795604.00
3	557418921.59	ब्याज दिया अमानत पर	597913899.48
5	25115704.00	ब्याज अनुदान दिया सहकारी संस्थाओं को	33291846.58
4	479771429.01	ब्याज दिया एचओ अकॉ0 पर	562132392.41
	1570977390.19	**योग**	1753750392.47
		वेतन भत्ते व्यय	
1	121359709.96	वेतन उपवेतन एवं भत्ते बैंक कर्मचारी	128403429.82
2	6637483.50	केडर फण्ड वेतन समिति कर्मचारी	5762098.00
3	183290.00	यात्रा भत्ता एवं प्रवास व्यय	223378.00
4	13188511.00	बैंक अंशदान प्राविडेण्ट फण्ड	12742769.00
	141368994.46	**योग**	147131674.82
		अन्य व्यय	
1	20807948.19	कर किराया बीमा एवं प्रकाश व्यय	8862985.18
2	546143.17	दुरलेख दुरभाष एवं डाक व्यय	697303.60
3	0.00	बीमा प्रीमियम व्यय	13839195.24
4	91339.00	वाचनालय एवं पत्र पत्रिकाए	82720.00
5	2902344.61	लेखन सामग्री एवं छपाई व्यय	2157125.82
6	10037895.16	विविध व्यय	6803840.48
7	699728.50	संस्थापन व्यय	231687.90
8	3122030.60	सम्पत्ति पर रख रखाव व्यय	5878433.69
9	8372749.06	छिजन दिया (ह्रास)	11003022.73
10	174270.00	विधि व्यय	87588.00
11	672498.00	डीजल पेट्रोल एवं आईल अकॉ0	901706.00
12	286395.48	पोषाक भृत्य एवं चालकगण	300.00
13	720822.52	विज्ञापन व्यय	756317.44
14	0.00	कमीशन दिया सहकारी समिति एवं अपैक्स बैंक	11011778.93
15	715176.50	साधारण सभा व्यय	312721.24
16	214639.38	मोबाइल सीम किराया	142726.78
17	29.14	राउण्डअप राशि	36.75
18	993593.00	शासकीय प्रतिभुति पर प्रीमियम भुगतान	931372.00
19	314434.00	आकस्मिक व्यय	61775.00
20	1580798.51	कम्प्युटर व्यय	1817329.50
21	89006.53	बैंक व्यय	27491.45

क्र.	31.03.2024 की स्थिति पर प्राप्तिया	आय मद (प्राप्तियॉं)	31.03.2025 पर प्राप्त आय
1	2	3	4
		ब्याज से आय	
1	1273350754.24	ब्याज प्राप्त ऋण पर	1331451466.12
2	56769879.00	ब्याज प्राप्त विनियोग पर	75112961.00
3	131011519.33	ब्याज प्राप्त सहकारी प्रतिभुति पर	147567549.56
4	9776400.00	ब्याज प्राप्त ट्रेजरी बिल से	6703422.00
5	0.00	ब्याज प्राप्त काल मनी पर	627034.00
6	0.00	ब्याज प्राप्त आयकर विभाग से	372284.00
7	479771429.01	ब्याज प्राप्त मुख्यालय खाते पर	562132392.41
	1950679981.58	**योग**	2123967109.09
		कमीशन से आय	
1	9152992.46	कमीशन अकॉउण्ट	9991602.20
2	97900.00	एल.आय.सी प्रधानमंत्री बीमा कमीशन	91351.00
3	1304878.37	एनपीसीआय, एटीएम कमीशन	150066.30
4	0.00	आयएमपीएस से प्राप्त कमीशन	5407.70
5	60825.00	एन आय ए कमीशन	30369.00
6	1446147.71	एचसीएस से प्राप्त कमीशन	842405.72
	12062743.54	**योग**	11111201.92
		लाभांश से आय	
1	200000.00	लाभांश प्राप्त कृभको से	0.00
2	100000.00	लाभांश प्राप्त कृभको से	100000.00
3	13715287.00	लाभांश प्राप्त अपेक्स बैंक से	11383009.00
	14015287.00	**योग**	11483009.00
		अन्य मद से प्राप्त आय	
1	5168215.71	इन्सीडेटल चार्जेस	5685600.10
2	166803.64	अन्य आय	192793.83
3	184460.50	लॉकर किराया	246145.00
4	596.00	अर्थदण्ड खाता	879.00
5	0.00	आयकर रिफण्ड खाता	2954580.00
6	33985.00	खाता बन्द शुल्क	44710.00

क्र.	गत वर्ष 31.03.2024 की स्थिति पर व्यय	व्यय मद	31.03.2025 पर व्यय
1	2	3	4
22	39746.53	एटीएम एवं आय एम पी एस शुल्क	44495.14
23	2789.06	एन पी सी आय व्यय	11858.51
24	0.00	सरसाई फीस	5450.00
25	10000.00	अपेक्स बैंक अंशदान	5000.00
26	58512.00	अंशदान बचत बैंक	0.00
27	77763.60	प्रशिक्षण व्यय	152960.00
28	0.00	क्रेडिट स्कोर व्यय	2016.02
29	230108.07	आयएमपीएस (एटीएम) व्यय	0.00
30	10268724.82	एप्लीकेशन सर्विसेस फीस(टीसीएस)	10156991.78
31	1047597.00	प्रोफेशनल फीस	1185920.00
32	0.00	शासकीस प्रतिभुति ट्रेडिग फीस	11990.00
	64077082.43	**योग**	77184139.18
		प्रावधान व्यय	
1	4866795.00	चंदा दिया जिला एवं राज्य संघ	5351700.00
2	174423000.00	संदिग्ध एवं डुबन्त ऋण कोष प्रावधान	26212000.00
3	0.00	संदिग्ध एवं डुबन्त ऋण कोष प्रावधान आयकर धारा 36(1)(viia)	125000000.00
4	1700100.00	आडिट फीस प्रावधान	1450245.00
	180989895.00	योग	158013945.00
	1957413362.08	**योग व्यय**	2136080151.47
	32644058.89	वर्ष का लाभ	26724466.47
	12580530.79	पूर्व वर्ष का आयकर दिया	4794232.78
	5050000.00	वर्ष का आयकर दिया	5500000.00
	15013528.10	वर्ष का शुद्ध लाभ	16430233.69
	1990057420.97	**योग**	2162804617.94

हस्ता/–
(विकास लाड)
प्रभारी प्रबंधक लेखा

हस्ता/–
(के.के.रायकवार)
मुख्य कार्यपालन अधिकारी

हस्ता/–
(सुश्री वर्षा श्रीवास)
प्रशासक एवं उपायुक्त
हस्ता/–
वास्ते मे. बी श्रॉफ एंड कम्पनी,
(सनदी लेखाकार)
(फर्म पंजीयन क्रमांक : 006514w)
(CA रोहन शर्मा)
(भागीदार)
सदस्यता क्र. – 429352

स्थान : इंदौर
दिनांकः
UDIN:

क्र.	31.03.2024 की स्थिति पर प्राप्तिया	आय मद (प्राप्तियॉ)	31.03.2025 पर प्राप्त आय
1	2	3	4
7	368235.00	चेक बुक शुल्क	417865.00
8	2950.00	स्टाप पेमेन्ट शुल्क	3650.00
9	194550.00	विविध शुल्क से आय	162600.00
10	5148835.00	एस एम एस शुल्क राशि	5756865.00
11	2030778.00	ए टी एम कार्ड फीस	646320.00
12	0.00	प्रशासनिक शुल्क	100.00
13	0.00	ऋण प्रोसेसिग फीस	131190.00
	13299408.85	**योग**	16243297.93
	1990057420.97	**कुल आय योग**	2162804617.94
			-0.00

हस्ता/–
(विकास लाड)
प्रभारी प्रबंधक लेखा

हस्ता/–
(के.के.रायकवार)
मुख्य कार्यपालन अधिकारी

हस्ता/–
(सुश्री वर्षा श्रीवास)
प्रशासक एवं उपायुक्त
हस्ता/–
वास्ते मे. बी श्रॉफ एंड कम्पनी,
(सनदी लेखाकार)
(फर्म पंजीयन क्रमांक : 006514w)
(CA रोहन शर्मा)
(भागीदार)
सदस्यता क्र. – 429352

स्थान : इंदौर
दिनांकः
UDIN:

B. Shroff & Co.
CHARTERED ACCOUNTANTS

--- : : अंकेक्षण प्रमाण - पत्र : : --

मैं निम्न हस्ताक्षरकर्ता अंकेक्षण अधिकारी प्रमाणित करता हूँ कि हमारी फर्म बी श्राफ एण्ड कम्पनी एफआरएन–006514W ने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, धार जिसका पंजीयन क्र. 17 दिनांक 16–03–1926 है तथा जो जिला धार में है, का अंकेक्षण भारतीय रिजर्व बैंक एवं मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम के द्वारा प्रस्तावित विधि से पूर्ण किया है।

मेरे द्वारा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित धार 31 मार्च 2025 तक का स्थिति विवरण पत्रक, लाभ हानि पत्रक जो उक्त दिनांक से समाप्त होने वाले लेखों से सम्बन्धित है कि प्रधान कार्यालय तथा शाखाओं द्वारा भेजे गए प्रमाणित लेखों के आधार पर जाँच की गई जो कि इन पत्रको में सम्मिलित किये गए है अतः मेरे मत से अंकेक्षण टीप में उल्लेखित आक्षेपों, लेखांकन नीतियों एवं परिवर्तन का ज्ञापन (MOC) को छोडकर :–

1. बैंक का व्यवसाय आम तौर से विधिवत उपनियमों एवं नियमों के अंतर्गत तथा पंजीयक, सहकारी समितियां, भोपाल के प्रशासनिक निर्देशों के एवं बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट की आवश्यकतायों के अनुरूप किया गया है।
2. बैंक का स्थिति विवरण पत्रक स्पष्ट है। आवश्यक सभी जानकारी जो कि बैंक के व्यवहार एवं स्थिति को दर्शाते है उनका समावेश उनमें है मुझे जो जानकारी बैंक की स्थिति के सम्बन्ध में बताई गई तथा जो खातों में दशायी गई है उनका समावेश इन पत्रकों में है आपातियाँ ऑडिट नोट में बताई गई है।
3. आवश्यकतानुसार समस्त जानकारी मेरे संतोष होने तक बैंक द्वारा मुझे उपलब्ध कराई गई है।
4. बैंक का समस्त व्यवहार व्यवसाय निर्धारित कार्य सीमा के अंतर्गत किया गया है।
5. अंकेक्षण हेतु जो भी प्रपत्र बुलाये गए सभी पूर्ण एवं पर्याप्त है।
6. लाभ–हानि पत्रक लाभों का सही चित्रण करता है।
7. बैंक स्थिति विवरण एवं लाभ हानि पत्रक नियमों के अनुरूप बनाया गया है।
8. मेरे मत से बैंक की समस्त लेखा पुस्तिकाएं आवश्यकता के अनुरूप रखी गई है।

Office : CM- 225, Jr. MIG, Sukhliya, Indore 452010 (M.P.) Tel.: 0731-4055268
Offices at - Burhanpur, Biaora, Dewas, Guna, Jabalpur, Ujjain, Gondia, Nagpur.

अतः मैं बैंक को पंजीयक, सहकारी समितियां मध्यप्रदेश भोपाल के परिपत्र क्र./अंके./98/771 भोपाल दिंनाक 28.09.1998 एवं परिपत्र क्र./अंके./4/2002/668 भोपाल दिंनाक 24.08.2002 द्वारा प्रसारित निर्देशों में दी गई कसौटी के आधार पर बैंक को "क" वर्ग में वर्गीकृत करता हूँ।

वर्ष 2024–25 के लिए

अंकेक्षण वर्गीकरण "क" की पुष्टि की जाती है।

वास्ते :– बी श्राफ एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म क्र. – 006514W

सी.ए. रोहन शर्मा
पार्टनर
सदस्यता क्रमांक 429352
UDIN :25429352BMLSYB45777
दिनांक :– 5 JUN 2025

"विश्व पर्यावरण दिवस" पर बैंक परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

गुना : दिनांक 5 जून 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर "एक पेड़ माँ के नाम" (प्लास्टिक प्रदूषण का अंत) अभियान के अंतर्गत बैंक के प्रधान कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बैंक प्रशासक एवं कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक दुबे, उपायुक्त सहकारिता श्री मुकेश जैन, बैंक के पैनल अधिवक्ता श्री मुकेश मॉडल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कमल मकाश्रे, बैंक के स्टाफ, समिति स्टाफ, किसानगण एवं बैंक ग्राहकगण उपस्थित रहे।कार्यक्रमके दौरान सभी उपस्थितजनों द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया एवं वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता फैलाने के इस प्रयास को सभी ने सराहा।

इस अवसर पर कलेक्टर द्वारा बैंक के समग्र परिसर का अवलोकन भी किया गया एवं उन्होंने परिसर के रखरखाव तथा साफ-सफाई को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता लाना था, बल्कि प्लास्टिक प्रदूषण जैसी गंभीर समस्या के विरुद्ध सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करना भी था।

सहकारी संस्थाओं में विश्व पर्यावरण दिवस पर लगाये 500 से अधिक पौधे

खरगोन : आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं भोपाल के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में खरगोन एवं बडवानी जिले की बैंक से संबंद्ध समस्त 182 सहकारी संस्थाओं में एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था बरूड के प्रांगण में आयोजित किया गया। जहां बडी संख्या में किसानों एवं सहकारी कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न प्रजाति के 50 से अधिक पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान बैंक प्रबंध संचालक श्री पीएस धनवाल द्वारा कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के महत्व को विस्तारपूर्वक द्वारा बताया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विजय सोनारे ने कहा कि वर्तमान में पर्यावरण को सबसे अधिक खतरा प्लास्टिक के प्रदुषण से है। इसके लिए हमें प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करना चाहिए तथा प्रत्येक कृषक को अपने खेत की मेढ पर पौधारोपण करना चाहिए। जिला स्तरीय कार्यक्रम में श्री रोहित श्रीवास्तव, डीएमओ, संस्था बरूड के पूर्व अध्यक्ष द्वय, श्री चम्पालाल कुमरावत, श्री जगदीश जायसवाल तथा सहकारी कार्यकर्ता श्री रामचन्द्र कुमरावत द्वारा भी अपने विचार व्यक्त किए गए।

कार्यक्रम में बरूड की सरपंच श्रीमती चिना आछाले, मनोज टाक अंकेक्षण अधिकारी सहकारिता, तुकेश मनाथे इफको, बैंक के प्रबंधक द्वय अनिल कानुनगो, संध्या रोकडे, ललित भावसार, सुरेष यादव, शुभा गोस्वामी, विनोद पाटीदार, शाखा प्रबंधक सुभाष गुप्ता, संस्था प्रबंधक बरूड ललित कुमरावत, संस्था प्रबंधक उमरखली पूर्वा चौहान सहित दोनों संस्थाओं के समस्त कर्मचारी एवं संस्था के सदस्य उपस्थित रहे।

एफपीओ अब केवल संगठन नहीं, ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार बन रहे हैं

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल द्वारा राज्य में कार्यरत कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए दिनांक 03 से 05 जून 2025 तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सरकार की नीति के अनुरूप एफपीओ को आत्मनिर्भर, पारदर्शी और व्यावसायिक रूप से सक्षम बनानेकी दिशा में एक प्रभावी प्रयास रहा।

प्रशिक्षण में इंदौर, देवास, धार, खंडवा, खरगोन, रतलाम, उज्जैन और रायसेन जिलों से चयनित एफपीओ के 27प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें मुख्य रूप से एफपीओ के अध्यक्ष एवं संचालक मंडल के सदस्य सम्मिलित थे। कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ के सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर श्री ऋतुराज रंजन, प्रबंध संचालक, , राज्य सहकारी संघ ने उपस्थित एफपीओ प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि "एफपीओ केवल संगठन नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदलने वाले स्तंभ हैं। इनका प्रबंधन, वित्तीय पारदर्शिता और विपणन रणनीति मजबूत होना अत्यंत आवश्यक है।"

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को निम्नलिखित प्रमुख विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया:

- एफपीओ का प्रभावी प्रबंधन एवं संचालन
- लेखा पद्धति, बैंकिंग व्यवस्था और ऑडिट प्रक्रिया
- एक जिला एक उत्पाद (ODOP) के अंतर्गत संभावित कृषि व्यवसाय
- उत्पाद ग्रेडिंग, पैकेजिंग, मूल्य वर्धन एवं विपणन रणनीतियाँ
- सरकारी योजनाओं एवं समर्थन तंत्र की जानकारी
- डिजिटल तकनीक, एफपीओ पोर्टल एवं राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (NCEL) से जुड़ाव

प्रशिक्षण का उद्देश्य एफपीओ निदेशकों में नेतृत्व क्षमता, सामूहिक निर्णय प्रणाली और नीति क्रियान्वयन की समझ विकसित करना था, ताकि वे अपने संगठन को सतत लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित कर सकें।

एफपीओ का परिचय और प्रबंधन मूलभूत संरचना पर फोकस

- **एफपीओ की भूमिका एवं महत्व**
  राज्य समन्वयक श्री संतोष येडे ने एफपीओ को "आत्मनिर्भर भारत का कृषि स्तंभ" बताया और इसकी सामूहिकता, आपूर्ति श्रृंखला और मूल्यवर्धन की ताकत पर प्रकाश डाला।
- **निदेशक मंडल की जिम्मेदारियां**
  श्री गणेश मांझी, उप प्रबंधक ने एफपीओ में BoD की नैतिक, नीतिगत एवं प्रशासनिक भूमिका स्पष्ट की। पारदर्शिता, बैठक प्रक्रिया, रिकॉर्ड संधारण जैसे पहलुओं को विस्तार से बताया गया।
- **वित्तीय योजनाएं एवं सहयोग**
  एनसीडीसी के विषय विशेषज्ञ श्री गौरव जाधव ने इक्विटी ग्रांट, ब्याज अनुदान, BDP आधारित ऋण आदि योजनाओं की जानकारी दी।
- **लेखा प्रणाली और पारदर्शिता**
  श्रीमती रेखा पिप्पल, लेखाधिकारी ने लेखांकन के आवश्यक रिकॉर्ड, रिपोर्टिंग और ऑडिट प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप से समझाया।
- **शासन की योजनाएं एवं बजट प्रबंधन**
  श्री रोबिन सक्सेना ने प्रशिक्षण, निगरानी, लेखा, सीड कैपिटल इत्यादि बजट मदों का व्यवस्थित उपयोग कैसे करें, यह बताया।

अनुभव आधारित संवाद और तकनीकी नवाचार

- **संवाद सत्र** – श्री ऋतुराज रंजन, प्रबंध संचालक, सहकारी संघ उन्होंने एफपीओ को केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि व्यावसायिक संस्था के रूप में विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने वार्षिक योजना, निजी निवेश, ब्रांडिंग और विपणन पर बल दिया।
- डॉ. तृप्ति सिंह ने जैविक खेती, बायबैक समझौता और सर्टिफिकेशन की संभावनाएं साझा कीं।
- श्री योगेश द्विवेदी ने CBBO के रूप में सहकारी संघ की भूमिका, परियोजना निर्माण, वित्तीय सहायता और तकनीकी मार्गदर्शन पर प्रकाश डाला।
- श्री मोहनलाल सिसौदिया ने गोगांव एफपीओ के अनुभव साझा करते हुए ग्रेडिंग-सॉर्टिंग, बीज उत्पादन और थोक बिक्री के मॉडल समझाए।
- श्री नीरज जाट ने NCDEX, वायदा बाजार और मूल्य जोखिम प्रबंधन के विषय में मार्गदर्शन दिया।
- श्री सुभाष तिवारी ने विपणन, स्थानीय ब्रांडिंग और MSME योजनाओं की जानकारी दी।
- **व्यवसायिक संभावनाएं**
  बीज उत्पादन, जैविक खाद, डेयरी उत्पाद, कृषि यंत्र केंद्र, वनोपज विपणन आदि क्षेत्रीय व्यवसायों में अवसरों की चर्चा की गई।
- **विधिक प्रक्रिया, व्यावसायिक योजना और समापन समारोह**
- **पंजीयन और लाइसेंसिंग**
  श्रीमती प्रतिमा तिवारी ने FSSAI, GST, PAN, बैंक खाता आदि की प्रक्रिया समझाई।
- व्यवसाय योजना और DPR निर्माण
  श्री शाजी जॉन ने बाज़ार सर्वेक्षण, लागत विश्लेषण, ऋण योजना आदि पर प्रशिक्षण दिया।
- **प्रशासनिक पारदर्शिता**
  श्री गौरव जाधव ने CEO की भूमिका, AGM, लेखा परीक्षण और रिकॉर्ड प्रबंधन को स्पष्ट किया।
- **डिजिटल डेटा और MIS**
  श्री योगेश नामदेव ने डिजिटल रिपोर्टिंग, पोर्टल प्रविष्टि और योजना अनुरूप डेटा प्रबंधन पर सत्र लिया।

सहकारिता विभाग पूरी प्लानिंग के साथ सोसायटी और परिसरों में लगाये पौधे

मंत्री श्री सारंग ने अपेक्स बैंक परिसर में लगाया अशोक वृक्ष

भोपाल : सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि सहकारिता विभाग पूरी प्लानिंग के साथ हर सोसायटी और विभागीय परिसरों में पौधरोपण करें। उन्होंने इसके लिये राज्य संघ और बीज संघ को इसकी जिम्मेदारी दी। उन्होंने कहा कि दीर्घकालीन और छायादार सहित उपयोगी प्रजाति के पौधो का रोपण किया जाये। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मास्टर प्लान इस तरह का हो कि संरक्षण और संवर्धन के साथ साल भर में लाखों पौधे लगे। मंत्री श्री सारंग ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर "एक पेड़ माँ के नाम" कार्यक्रम के तहत अपेक्स बैंक परिसर में अशोक का पौधा रोपा। अपर मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णवाल ने भी पौधरोपण किया।

सनातन धर्म पर्यावरण का देता है संदेश

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण-संवर्धन करना और आगे आने वाली पीढ़ी को जागरूक करना हमारी जिम्मेदारी है। हमारी संस्कृति, सनातन, दर्शन, धर्म, विचार सब पर्यावरण से जुडा हुआ है। पर्यावरण का अर्थ है पेड़, पौधे, पहाड, नदियाँ और ईको सिस्टम से मनुष्य पशु-पक्षी सब जुडें हैं। भारतीय संस्कृति नदी को वॉटर बॉडी नहीं मानती, हमारा अध्यात्म दर्शन नदी को माँ मानता है। नर्मदा मैया और गंगा मैया की हम अर्चना करते है, पर्वत को भगवान स्वरूप पूजते है। गोवर्धन पर्वत और कामतानाथ जी की हम परिक्रमा करते है। महिलाएँ साल भर में 5-6 ऐसे त्यौहार मनाती है जिसमें पेड़ों की परिक्रमा की जाती है। हरतालिका तीज जैसे त्यौहारों का विशेष महत्व है। यही नहीं भगवान का वाहन पशु-पक्षी हैं। शिवजी जहां एक ओर नाग को धारण किये है वहीं जटाओं के जरिये माँ गंगा को पृथ्वी पर लाये है। हमारा पूरा दर्शन, सनातन, धर्म, विचार पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है।

विकास हो विरासत के साथ

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकास की बात की तो विरासत को साथ लेकर चलने की बात की। विकास का मतलब पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुँचें और पेड़ भी नहीं कटे। कारखाने लगना विकास और भविष्य की लिये जरूरी है। इसलिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट के माध्यम से निर्णय लिया कि जितना औद्योगिक क्षेत्र बने उतना वन भी लगाया जाये। प्रधानमंत्री श्री मोदी "एक पेड़ माँ के नाम" का संदेश यही है कि पृथ्वी माँ को चिरस्थायी बनाने के लिये पौधरोपण करें। यहीं नहीं अपने माता-पिता के नाम, अपने परिजन के जन्म दिवस और सालगिरह जैसे अवसरों पर समाज के उज्जवल भविष्य के लिये पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण कर आने वाली पीढ़ी को भविष्य के लिये उपयोगी, दीर्घकालीन उपहार सौपकर जायें, इससे हम रहे न रहे हमारी याद बनी रहे।

इस अवसर पर प्रबंध संचालक विपणन संघ श्री अलोक कुमार सिंह, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक श्री मनोज पुष्प, उप सचिव श्री मनोज सिन्हा, प्रबंध संचालक अपेक्स बैंक श्री मनोज गुप्ता, प्रबंध संचालक सहकारी संघ श्री ऋतुराज रंजन, प्रबंध संचालक बीज संघ श्री महेन्द्र दीक्षित, संयुक्त आयुक्त श्री अम्बरीष वैद्य, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री अरूण माथुर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

एक पेड़ माँ के नाम - सहकारिता और पर्यावरण के अद्भुत संगम की प्रेरक शुरुआत

विश्व पर्यावरण दिवस पर मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ का अभिनव अभियान

भोपाल, विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ द्वारा एक अभिनव और भावनात्मक पहल –"एक पेड़ माँ के नाम" अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान का शुभारंभ भोपाल स्थित संघ मुख्यालय में प्रबंध संचालक श्री ऋतुराज रंजन द्वारा वृक्षारोपण कर किया गया।इस मौके पर उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों में महाप्रबंधक श्री संजय कुमार सिंह, लेखा अधिकारी श्रीमती रेखा पिप्पल, उप प्रबंधक श्री गणेश मांझी, एवं पूर्व प्राचार्य श्री ए. के. जोशी शामिल रहे। संघ के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी इस पुनीत कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई। यह अभियान केवल पर्यावरण संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह माँ के प्रति सम्मान, स्नेह और कृतज्ञता को हरियाली के रूप में व्यक्त करने का एक सशक्त प्रयास है।

"एक पेड़ माँ के नाम"अभियान का संदेश है –

"हर वर्ष, माँ के नाम एक वृक्ष लगाएं – प्रकृति और मातृत्व दोनों का सम्मान करें।"

कार्यक्रम में सभी उपस्थित लोगों ने यह संकल्प लिया:

"हम प्रत्येक वर्ष अपनी माँ के नाम एक वृक्ष लगाएंगे, प्लास्टिक के प्रयोग को कम करेंगे, और पर्यावरण की रक्षा हेतु समाज को प्रेरित करेंगे।"

प्रबंध संचालक श्री ऋतुराज रंजन के मार्गदर्शन में यह अभियान अब राज्य की सभी सहकारी संस्थाओं में संचालित किया जा रहा है। सभी संस्थाओं, प्रशिक्षण केन्द्रों एवं सहकारी इकाइयों से अनुरोध किया गया है कि वे इस पर्यावरणीय जन-जागरण में सक्रिय भागीदार बनें।

इसी क्रम में, सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, इंदौरमें भी "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया। प्राचार्य श्री दिलीप मरमट, प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षकगण एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से पौधारोपण कर पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई। इस दौरान आगामी अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस की तैयारियों के तहत गड्ढों की खुदाई कर वृक्षारोपण की भूमिका भी तैयार की गई।

जबलपुर सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र प्राचार्य एवं प्रशिक्षकों ने इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई तथा स्थानीय स्तर पर वृक्ष संरक्षण की जिम्मेदारी लेने का संकल्प दोहराया।

नौगाँव (छतरपुर) सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र में भी इस अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान आगामी अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस की तैयारियों के तहत गड्ढों की खुदाई कर वृक्षारोपण की भूमिका भी तैयार की गई।

एक पेड़ माँ के नाम – माँ की ममता को हरियाली में बदलें"

सहकारी भावना और पर्यावरण संरक्षण की यह साझी पहल आने वाले समय में प्रकृति और समाज, दोनों के लिए अमूल्य विरासत सिद्ध होगी।

म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल की ओर से प्रकाशक, मुद्रक गणेश प्रसाद मांझी द्वारा मध्यप्रदेश राज्य सहकारी मुद्रणालय परिमित, भोपाल से मुद्रित एवं ई-8/77, शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रबंध सम्पादक : ऋतुराज रंजन, संपादक : गणेश प्रसाद मांझी
डॉक पंजीयन क्रमांक : म.प्र./भोपाल/357/2021-23 मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967, फोन : 2926159, 2926160, इस अंक में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं जिनमें संपादकीय सहमति आवश्यक नहीं है।